वार्तालाप नं.606, ता.27.7.08, कोलकाता
Disc.CD No.606, dated 27.07.08 at Kolkata

समय:- 07.56-09.34

जिज्ञासु:- आत्मा और परमात्मा का मिलन सूक्ष्म वतन में नहीं होता है। मूल वतन में होता है?

बाबा:- आत्मा परमात्मा मूल वतन में होता है और सूक्ष्म वतन में सिर्फ सूक्ष्म शरीर होते हैं।

जिज्ञासु:- सूक्ष्म वतन कहाँ?

बाबा:- मनन चिंतन मंथन की जहाँ स्टेज होती है वो है सूक्ष्म वतन। इस साकारी दुनियां में मनन चिंतन मंथन नहीं होता। साकारी दुनियां में साकार दुनियां वालों का प्रभाव लग जाता है। हम देहभान में आ जाते हैं उनके वायब्रेशन से चिपक जाते हैं। जो मनन चिंतन मंथन ज्ञान का होता है, नई दुनियां का मनन चिंतन होता है, नई दुनियां की प्लैनिंग बनती है, ईश्वरीय सेवा के जो संकल्प चलते हैं, सत संकल्प - वो हैं ऊँची स्टेज। वो ब्राह्मणों की नीची साकारी दुनियां की स्टेज नहीं है। इसलिए वो है सूक्ष्म वतन।

जिज्ञासु:- बाबा तो कहते हैं सूक्ष्म वतन तो कोई होता नहीं।

बाबा:- माना स्थूल रुप में कोई नहीं होता है। स्थूल रुप में कोई ऐसा स्थान नहीं है ये ऊँची स्टेज की बात है। जैसे कि परमधाम को इस सृष्टि पर तुम बच्चे उतार लेंगे तो वो कोई ऐसे स्थान की बात नहीं है वो स्टेज की बात है।

Time: 07.56-09.34
Student: The soul and the Supreme Soul don’t meet in the subtle world. Do they meet in *Muul vatan* (the Soul World)?
Baba: The souls and the Supreme Soul exist in the Soul World and there are just subtle bodies in the subtle world.
Student: Where is the subtle world?
Baba: The place where there is a *stage* of thinking and churning is the subtle world. There is no thinking and churning in this corporeal world. We are affected by [the influence] of the people of the corporeal world in the corporeal world. We become body conscious and stick to their vibrations. The thinking and churning of knowledge, thinking and churning about the new world, *planning* about the new world, having the thoughts about the Divine (*iishwariya*) service, the true thoughts is the high *stage*. That is not a *stage* of the lower corporeal world of the Brahmins. This is why that is the subtle world.
Student: Baba says, the subtle world doesn’t exist.
Baba: It means that it does not exist in a physical form. There is no such place in a physical form; it is about a high *stage*. For example, you children will bring the Supreme Abode down to this world; so that is not about such place; it is about the *stage*.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

समय:- 09.42-10.09

जिज्ञासु:- बाबा, अभी बोला इस छी-2 दुनियां में रहना नहीं चाहिए तो क्या करना चाहिए?

बाबा:- हाँ, नहीं रहना चाहिए इस दुनियां में। आप पहल□य□पक्का करिय□कि आप कौन हैं?

जिज्ञासु:- आत्मा हैं।

बाबा:- आत्मा मान□मन-बुद्धि। तो मन-बुद्धि स□इस दुनियां में नहीं रहना चाहिए या शरीर स□नहीं रहना चाहिए?

जिज्ञासु:- मन-बुद्धि स□

बाबा:- फिर? वो प्रश्न खत्म हो जाता है।

Time: 09.42-10.09
Student: Baba, just now it was said, you should not live in this dirty world. So, what should we do?
Baba: Yes, we should not live in this world. First confirm what you are.
Student: We are souls.
Baba: A soul means mind and intellect. So, should we not live in this world through the mind and intellect or through the body?
Student: Through the mind and intellect.
Baba: Then? That topic ends.

समय:- 10.20-11.57

जिज्ञासु:- बाबा, बाबा न□बोला पावन बनना है पढ़ाई स□ तो पढ़ाई मुख्य है। तो पढ़ाई द्वारा पावन कैस□बनेंग□?

बाबा:- पढ़ाई मुख्य नहीं है। पढ़ाई तब तक मुख्य है जब तक बाप को पूरा नहीं पहचाना है।

जिज्ञासु:- बाप को पहचान लिया।

बाबा:- जब पहचानी तो बुद्धि कहाँ चिपक जाव□गी?

बाप की पहचान पूरी हो गई तो बाप को छोड़ेंग□ही नहीं।

जिज्ञासु:- ब□सिक ए□वान्स की जो लड़ाई होती है अभी, वो एक ही पाइंट पर बाप की पहचान। वो बाप को मानत□नहीं।

बाबा:- हाँ जी, हाँ जी।

जिज्ञासु:- तो ... साल में जो लड़ाई होगी ब□सिक ए□वान्स में बाबा न□बोला...

बाबा:- किसमें-2 लड़ाई हुई? अज्ञानियों में और ज्ञानियों में लड़ाई होगी या अज्ञानी अज्ञानी लड़ेंग□? ज्ञानी लड़ेंग□? जो अज्ञानी होंग□वही आपस में लड़ मरेंग□

जिज्ञासु:- ज्ञानी को तो प्रत्यक्षता करना है ना। बाबा न□बोला महाभारत लड़ाई होगा। लड़ाई बिगर ह□ स□ह□ कैस□जायेंग□ बाबा न□ऐस□भी कहा है ना।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबा:- वो लड़ाई बुद्धि योग की लड़ाई है। याद में स्थिरियम होने की लड़ाई है। एक बाप का साथ संग देने की लड़ाई है। माया हमको हिलाती रहेगी। हम हिलने वाले नहीं होंगे तो लड़ाई की दरकार ही नहीं है। पाण्डव लड़ाई नहीं लड़ते।

Time: 10.20-11.57
Student: Baba, Baba said, you have to become pure through the knowledge. So, the knowledge is the main thing. How will we become pure through the knowledge?
Baba: The knowledge is not the main thing. The knowledge is important as long as we have not recognized the Father completely.
Student: We have recognized [Him].
Baba: When you recognize [Him], then what will the intellect stick to? Once you have completely recognized the Father, you will not leave the Father at all.
Student: The fight that takes place between the basic and advance is based on just one point: the recognition of the Father. They don't believe in the Father.
Baba: Yes, yes.
Student: So, the fight that will take place in the year ... between basic and advance, Baba has said…
Baba: Fight took place between whom? Will the fight take place between the ignorant ones and the knowledgeable ones or will the ignorant people fight with each other? Will the knowledgeable ones fight? The ignorant people themselves will fight with each other and die.
Student: The knowledgeable ones have to bring revelation, haven't they? Baba has said that the Mahabharata war will take place. Baba has also said, 'how can you go to heaven from hell without fighting', hasn't He?
Baba: That fight is a fight with the intellect. It is a fight to become constant in remembrance. It is a fight of giving company to the one Father. Maya will keep on shaking us. If we don't shake, then there is no need to fight at all. Pandavas do not fight.

समय:- 12.04-14.30

जिज्ञासु:- आत्मा दो प्रकार का है न एक प्रकार का है?

बाबा:- आत्मा दो प्रकार की है? दो प्रकार की कौन-कौनसी समझते हैं आप?

जिज्ञासु:- एक अत्मा में दो प्रकार के वायब्रेशन निकलते हैं।

बाबा:- एक आत्मा [में] दो प्रकार का वायब्रेशन होता है।

जिज्ञासु:- एक पुरूष और एक स्त्री।

बाबा:- आत्मा न स्त्री होता है न पुरुष होता है। संग के रंग से कभी पुरुष बनता है और कभी स्त्री चोला धारण करता है। स्त्री चोले को जीवन भर याद करता रहेगा तो अंत समय में क्या याद आ जावेगा? स्त्री चोला ही याद आ जावेगा। अंत मते सो गति हो जावेगी। ऐसे ही अगर स्त्री चोला वाला आत्मा है सारे जीवन काम विकार प्रधान होने की वजह से पुरुष चोले को याद करता रहा तो अंत समय में क्या याद आ जावेगा? वही पुरुष चोला याद आ जाता है। अंत मते सो गति हो जाती है। बाकी आत्मा न स्त्री है और न आत्मा पुरुष है। जैसे पपीते का बीज होता है। पपीते का जो बीज है जब बोया जाता है, तो पता चलता है येमेल के रुप में पैदा होगा कि फीमेल के रुप

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

में पैदा होगा? नहीं पता चलेगा। जब बोया जाता है तो अपने संस्कार के अनुसार वो फीमेल पैदा भी हो सकता है और वो पौधा मेल भी पैदा हो सकता है। ये संस्कारों की बात है।

Time: 12.04-14.30
Student: Are souls of two kinds or one kind?
Baba: Are the souls of two kinds? What are the two kinds that you think?
Student: Each soul gives out two kinds of vibrations.
Baba: One soul [gives out] two kinds of vibrations.
Student: One kind is of a male and the other kind is of a female.
Baba: A soul is neither female nor male. Sometimes it becomes male and sometimes it takes on a female body due to the colour of company. If someone keeps remembering the female body throughout the life, what will come to his mind in the end? Only the female body will come to his mind. As the thoughts in the end, so will be his fate. Similarly, if a soul has a female body and due to the dominance of the vice of lust the entire life, if it kept remembering the male body, what will come to its mind in the end? The same male body will come to its mind. It reaches a fate as per its thoughts in the end. As for the rest, a soul is neither female nor male. Just as there is a papaya seed. When it is sown, is it known whether it will grow as a male plant or a female plant? You won't come to know. When it is sown, then it can grow as a female or a male plant as per its *sanskaars*. It is about the *sanskaars*.

समयः- **14.43-15.42**

जिज्ञासु:- बाबा, सुखाला मौत क्या है ?

बाबा:- सुखाला मौत माना जिसमें दुःख का नाम निशान न हो, तुरंत मौत हो जाय। जैसे ब्रह्मा बाबा को हार्टफेल हुआ और डॉक्टर आया तब तक शरीर छोड़ दिया। तो जो उनका अगला जन्म होगा वो अच्छी जगह होगा या नीच परिवार में होगा? अच्छी जगह होगा। इसलिए सब ब्रह्माकुमार कुमारियाँ क्या चाहते हैं? जैसे ब्रह्मा बाबा ने शरीर छोड़ दिया ऐसे हमारा भी शरीर छूट जाय। (किसी ने कहा- बी.के. वाले?) हाँ।

Time: 14.43-15.42
Student: Baba. What is meant by *'sukhaalaa maut'*?
Baba: *'Sukhaalaa maut'* (pleasant death) means such death which does not have any name or trace of sorrow; one should die immediately. Just as Brahma Baba suffered heart failure and by the time the *doctor* arrived, he left his body. So, will his next birth be at a good place or will it be in a lowly family? It will be at a good place. This is why what do all the Brahmakumar-kumaris wish? [They think:] We should leave our body just as Brahma Baba did. (Someone said: The BKs?) Yes.

समयः- **15.43-16.48**

जिज्ञासु:- बाबा, बाबा ने कहा है 84 जन्म लेते हैं निश्चय- अनिश्चय के चक्र के ऊपर। तो जब प्रजापिता, आदम, मेल है, उसका भी तो 84 जन्म होता। बाबा ने बोला प्रजापिता को निश्चय अनिश्चय का चक्र नहीं होता। तो कैसे 84 जन्म लेंगे?

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबा:- प्रजापिता कब से प्रत्यक्ष होता है? (जिज्ञासु: 76.) 76 से पहले उसने अपनी शूटिंग नहीं कर ली निश्चय-अनिश्चय की? सवाल ही खत्म हो जाता है। ज्ञान सन् 76 से पहले था या सन् 76 के बाद ज्ञानामृत आता है जो अमर बनाता है? अमृत अमर बनाता है। माना सन् 76 से पहले अमृत जो मंथन से निकलता है वो अमृत नहीं था। सन् 76 के बाद विचार सागर मंथन से अमृत निकलता है, विष भी निकलता है।

Time: 15.43-16.48
Student: Baba, Baba has said, you have the 84 births on the basis of the cycle of faith and doubt. So, Prajapita or Adam, the main one also has 84 births. Baba has said that Prajapita does not pass through the cycle of faith and doubt. So, how will he have 84 births?
Baba: From when is Prajapita revealed? (Student: 76.) Did he not complete his *shooting* of [having] faith and doubt before 76? The question ends there. Did the knowledge exist before the year 76 or does the nectar of knowledge, which makes us immortal, emerge after the year 76? Nectar makes us immortal. It means that the nectar which emerges after churning did not exist before the year 76. The nectar as well as the poison emerges after the year 76 through the churning of the ocean of thoughts.

समय:- 17.03-18.59

जिज्ञासु:- बाबा, भक्तिमार्ग में ये गायन है हरे कृष्ण हरे राम। ज्ञान में कहते हैं हर-2 बम-2।...

बाबा:- ज्ञान में हर-2 बम-2 कहते हैं?

जिज्ञासु:- ये दोनों बातों का मतलब अलग-2 है?

बाबा:- भक्तिमार्ग में हर-2 बम-2 कहते हैं। माने तब तक दु:खों का हर-2 माने हरण नहीं होगा जब तक बाम्ब नहीं फटेंगे। एक तरफ ग्लानी के बाम्ब फटें, हाहाकार करेंगे और दूसरी ओर ज्ञान के बाम्ब फटेंगे जयजयकार करेंगे। तब कहा जाता है हर-2 बम-2। ये अंत समय का गायन है या आदि और मध्य का गायन है? अंत समय का गायन है। बाकी हरे कृष्ण, हरे राम ये तो भक्तिमार्ग की बातें हो गईं। एक को याद करना चाहिए या दो को याद करना चाहिए? एक को याद करना चाहिए। हरे राम, हरे कृष्ण कहते हैं इसका मतलब "राम के भक्त रहीम के बंदे हैं ये सब आँखों के अंधे" उनकी बुद्धि में राम कृष्ण ही बैठा हुआ है। उनकी बुद्धि में क्या नहीं बैठा हुआ है? कि पतितों को पावन बनाने वाला सुप्रीमसोल नहीं बैठा हुआ है, भूल जाते हैं। साकार की ओर बुद्धि चली जाती है।

Time: 17.03-18.59
Student: Baba, there is a song in the path of *bhakti, Hare Krishna, Hare Rama*. It is said in knowledge, *Har, har, bam, bam*. ...
Baba: In the knowledge do we say, *har, har, bam, bam*?
Student: Do both the topics mean different?
Baba: In the path of *bhakti* they say, *har, har, bam, bam*. It means until the bombs are exploded, the sorrow won't be removed. On the one side the bombs of defamation will explode [and people] will cry in despair and on the other side bombs of knowledge will explode and there will be shouts of victory. Then it is said, *har, har, bam, bam*. Is this a

praise of the last period or is it a praise of the beginning and the middle? It is a praise of the last period. As regards, *Hare Krishna, Hare Rama*, these are the topics of the path of *bhakti*. Should we remember one or should we remember two? We should remember one. People say, *Hare Rama, Hare Krishna*. It means, 'the devotees of Ram and the servants of Rahim are all blind[1]'. There are only Ram and Krishna in their intellect. What is not in their intellect? The Purifier of the sinful ones, i.e. the *Supreme Soul* is not in their intellect. They forget [Him]. Their intellect goes towards the corporeal one.

समय:- 19.02-23.08

जिज्ञासु:- कृष्ण और राम को बड़ा दिखाया, शास्त्रों में जो गायन है, नाम लेते हैं इसका भी शूटिंग संगमयुग में हो रहा है क्या?

बाबा:- ये पी.बी.के. और बी.के. वालों में जो युद्ध हो रहा है वो किस बात का युद्ध हो रहा है? बी.के. वालों ने जीवन भर जिसका संग किया है, जिस परिवार में पले हैं सारा जीवन, तो उसको बड़ा कहेंगे या जिससे संपर्क संबंध ही नहीं जुटा है उसको बड़ा अनुभव करेंगे? (किसी ने कुछ कहा।) हाँ, जिसकी गोद में जीवन भर पले हैं तो संस्कार पक्के हो गये हैं। जब तक वो कृष्ण उर्फ ब्रह्मा की बुद्धि में ये बात पक्की नहीं बैठती है कि गीता का भगवान मैं नहीं हूँ साकार में, मेरा पार्ट नहीं है। गीता के भगवान का साकार पार्ट कोई और है। तो उनके फालोअर्स की कैसे सद्गति हो जावेगी?

Time: 19.02-23.08

Student: Krishna and Ram are shown to be great, they are praised in the scriptures, their names are mentioned; so is its shooting also taking place in the Confluence Age?

Baba: What is the reason for the fight between the PBKs and the BKs? The one in whose company the BKs have lived throughout their life, the family in which they have received sustenance all their life; will they call it greater or will they consider the one with whom they have not established contact and relationship at all to be greater? (Someone said something.) Yes, the one in whose lap they have been sustained throughout their life; their *sanskaars* have become firm. Until it sits firmly in the intellect of that Krishna alias Brahma: I am not God of the Gita in a corporeal form, I don't play the *part*, the one who plays the *part* of God of the Gita in a corporeal form is someone else, so how will his *followers* attain true liberation?

जिज्ञासु:- पहले गुरु का होगा फिर चेले का होगा।

बाबा:- लेकिन ये तो भक्तिमार्ग में कहते हैं। क्या? "गुरु गोविन्द दोऊ खड़े काके लागू पाय बलिहारी गुरु आपने जिन गोविन्द दियो दिखाय" तो क्या ब्रह्मा गुरु ने गोविन्द भगवान को दिखाय दिया? गऊ+इंदु; गऊ माना इन्द्रियाँ, इंदु माना राजा। इन्द्रियों का राजा बनने का पार्ट सौ पर्सेन्ट किसका है साकार में? एक ही आत्मा का पार्ट है बाकी सब नम्बरवार है। तो गोविन्द को उन्हें कहाँ दिखाय दिया? खुद ही नहीं पहचाना।

[1] *Ram ke bhakt, Rahim ke bande hain ye sab aankhon ke andhe*.

Student: First the guru will experience it and then the disciple.
Baba: But this is said in the path of *bhakti*. What? *'Guru Govind dou khare kaake laaguu paay, balihaari guru aapne jin Govind diyo dikhaay*' (Guru as well as Govind, i.e. God are standing [in front]; whose feet should I touch? Guru, I devote myself to you because you have shown me Govind). So, did Guru Brahma enable [them] to see Govind, [i.e.] God? *Gau+indu, Gau* means *indriya*[2] and *Indu* means king. Who plays the hundred *percent part* of becoming a king of the *indriya* in a corporeal form? Only one soul plays this *part*; all the others are numberwise[3]. So, he did not show Govind [to the others]. He himself did not recognize [Him].

जिज्ञासु:- प्रजापिता का नाम उन्होंने बाद में डाला तो?
बाबा:- बाप ने तो सब कुछ डाला मुरलियों में। लेकिन समझने वालों ने कितना समझा? मूल बात समझने की है या सुनने सुनाने की है? कानों से तो सुन लिया कि प्रजापिता नाम होना चाहिए ब्रह्माकुमार कुमारी से पहले। ब्रह्माकुमारी विद्यालय से पहले प्रजापिता का नाम होना चाहिए लेकिन इस रहस्य को समझा कितनों ने? कोई ने समझा? गीता का भगवान कृष्ण नहीं है। गीता का भगवान, गीता पति भगवान, गीता माता? माता साकार होती है या निराकार? साकार होती है तो पति कैसा होगा? वो भी साकार होगा। वो कौन है ये समझा? समझा ही नहीं। मूल बात तो समझने की ऊपर है। बुद्धि को एप्लाय करने से समझ मिलती है।
जिज्ञासु:- मुरली में बहुत बार आया बाबा कि बाप राम को कहा जाता है।
बाबा:- हाँ। बच्चा कृष्ण को कहा जाता है। माना बच्चा बुद्धि कौन है? कृष्ण की आत्मा है बच्चा बुद्धि, रचना। और रचयिता कौन है? राम वाली आत्मा है उसको जन्म देने वाला रचयिता। ज्ञान में भी जन्म देता है। आदि में भी जन्म दिया था और अंत में भी जन्म देता है।

Student: They did add the name of Prajapita later.
Baba: The Father mentioned everything in the murlis. But how much did the people understand? Is the main thing to understand or is it to listen and narrate? They did hear through the ears that the name Prajapita should be prefixed to Brahmakumar-kumari. The name Prajapita should be prefixed to Brahmakumari Vidyalay. But how many people understood this secret? Did anyone understand: 'God of the Gita is not Krishna? [Who is] God of the Gita; the Husband, God of the Gita, the mother Gita?' Is the mother corporeal or incorporeal? She is corporeal, then how will the husband be? He will be corporeal, too. Did they understand: who he is? They did not understand at all. The main thing is to understand. One gets wisdom by applying the intellect.
Student: It has been mentioned in the murli many a times that Ram is called the Father.
Baba: Yes. Krishna is called the child. It means who has a child like intellect? Krishna's soul has a child like intellect. [He is] a creation. And who is the creator? The soul of Ram who gives birth to him is the creator. He gives birth [to him] in knowledge as well. He had given birth [to him] in the beginning, and he gives birth in the end as well.

[2] Parts of the body
[3] According to their capacity

समय:- 23.12-25.05

जिज्ञासु:- बाबा, एक मुरली का महावाक्य है कि वेदान्ती बच्ची थी स्कूल में पढ़ाई पढ़ती थी क्वेश्चन आया गीता का भगवान कौन है? उन्होंने लिखा गीता का भगवान कृष्ण है। कालेज का प्रिन्सिपल उसको फेल कर दिया। (बहुतों ने कहा- शिव लिखा।)

बाबा:- अरे, समझ के प्रश्न पूछा करो। सब लोग पढ़ाई पढ़ाने लग पड़ते हैं। हाँ, बोलो।

जिज्ञासु:- शिव लिखने के बावजूद भी उनको फेल कर दिया गया। फिर ब्रह्मा बाबा के पास गयी तो बोली कि बाबा हमने ऐसा लिखा, स्कूल का टीचर ने तो फेल कर दिया। बाद में ब्रह्मा बाबा बोला - बच्ची, भले स्कूल का टीचर तुमको फेल करा दिया लेकिन शिवबाबा तुमको पास करा देगा।

बाबा:- हाँ, ठीक है।

जिज्ञासु:- लेकिन इस बात पर तुमको लड़ना पड़ेगा। तो गीता का भगवान जो शिव है वो साबित करने में छोटी मम्मी का ही पार्ट है? उनको ही ज्यादा से ज्यादा लड़ना पड़ेगा?

बाबा:- बिल्कुल। आदि में भी कोर्ट में लड़ाई करनेवाली, ज्यादा बोलनेवाली कौन थी? कोई ब्रह्माकुमारी थी या कोई मुख्य ब्रह्माकुमारी थी? कौन? मम्मा। छोटी मम्मा या बड़ी मम्मा? छोटी मम्मा थी। अभी भी कौन होगी? आदि सो अंत। तो कौन लड़ाई लड़ेगी? जो छोटी मम्मी का पार्ट होगा। मम्मी तो कहना ही नहीं चाहिए। छोटी माँ का जो पार्ट होगा वही लड़ाई लड़के विजय को प्राप्त करावेगी।

Time: 23.12-25.05

Student: Baba, there is a great version in the murli that there was a daughter Vedanti. She used to study in a school. A question was asked that who is God of the Gita. She wrote that God of Gita is Krishna. The college principal declared her to have failed. (Someone said: She wrote Shiv.)

Baba: *Arey*, ask question after understanding it. [Otherwise] everyone starts teaching. ☺ Yes. Speak up.

Student: Despite writing ‘Shiva’ she was declared to have failed. Then, she went to Brahma Baba and told him, ‘Baba, when I wrote this, the school teacher declared me to have failed’. Then, Brahma Baba said, ‘Daughter, although the school teacher declared you to have failed, Shivbaba will declare you to have passed’.

Baba: Yes, it is correct.

Student: But you will have to fight on this topic. So, is the *part* of the junior mother (*choti mummy*) destined to prove that Shiva is God of the Gita? Will she have to fight the most?

Baba: Definitely. Even in the beginning, who used to fight and speak more in the court? Was it some Brahmakumari or some main Brahmakumari? Who? Mamma. Was it the junior mother or the senior mother? It was the junior mother. Even now who will it be? Whatever happened in the beginning will happen in the end. So, who will fight? The one who will play the *part* of the junior *mummy*... You should not say *'mummy'* at all. ☺ The one who plays the *part* of the junior mother herself will fight and enable [us] to gain victory.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

समय:- 25.09-26.41

जिज्ञासु:- बाबा, हम लोगों को हिन्दुस्तान में, भारत में कोई फार्म वगैरा में, सर्टिफिकट वगैरा में धर्म लिखाया जाता है हिन्दू। जबकि हम लोगों का धर्म है सनातन धर्म। इसका क्या...?

बाबा:- अभी पवित्र है? सनातन धर्म क□ जो द□वतायें थ□वो पवित्र थ□या अपवित्र थ□? पवित्र थ□ तो कैस□लिखें? अपन को द□वता साबित कैस□करें? इसलिए क्या लिखत□हैं? हिन्दू लिख द□□हैं।

जिज्ञासु:- मुरली में आया है हिंसा को दूर करन□वाल□हैं।

बाबा:- हाँ, तो वो हिंसा को दूर करन□वाल□हैं या और बढ़ाय रह□हैं? दोनों प्रकार की हिंसा और बढ़ रही है या घट रही है? और ही बढ़ रही है।

जिज्ञासु:- ल□किन रिलिजियन हिन्दूज्म लिखन□स□गर्व होता है।

बाबा:- झूठा गर्व होता है या सच्चा गर्व होता है? सच्चा गर्व है? जब हिंसा को दूर करन□वाल□हैं ही नहीं, हिंसा को और ही बढ़ान□वाल□हैं, और नाम रख ल□□हैं हिन्दू, तो गर्व सच्चा है, अभिमान सच्चा है या झूठा अभिमान है? झूठा अभिमान है। कितन□दिन चल□ा?

Time: 25.09-26.41

Student: Baba, when we fill up any form in Hindustan, in India, then we are made to mention our religion in the certificates etc. as Hindu whereas our religion is *Sanatan Dharma* (Ancient Religion). What….?

Baba: Are they (the Hindus) pure now? Were the deities of the Ancient Religion pure or impure? They were pure. So, how can they (the Hindus) write [Ancient Religion]? How can they prove themselves to be deities? This is why what do they write? They write Hindu.

Student: It is mentioned in the murli: [Hindu means] the ones who remove violence (*hinsaa*).

Baba: Yes, so, are they the ones who remove violence or do they increase it even more? Are both kinds of violence increasing or decreasing? They are increasing even more.

Student: But we feel proud when we mention the religion as Hinduism.

Baba: Is it a false pride or a true pride? Is it a true pride? When they don't remove violence at all, when they increase the violence even more, and keep the name 'Hindu', so, is it a true pride, or a false pride? It is a false pride. How long will it last?

समय:- 26.44-27.27

जिज्ञासु:- बाबा, शिवबाबा न□बोला है किसी परिवार का एक आत्मा भी अगर ज्ञान में चल□तो एक दिन पूरा परिवार ज्ञान में चल□ा।

बाबा:- ठीक है।

जिज्ञासु:- वो कब होगा? अभी तो ऐसा द□ा जा रहा है कि पाँच आदमी चलत□हैं, दो बार चलत□ हैं और ज्ञान छोड़ द□□हैं।

बाबा:- तो क्या हुआ? य□लक्ष्मण को मूर्छा लगी थी या नहीं लगी थी? तो फिर मर गया था? (किसी न□कहा- नहीं।) जिंदा हुआ कि नहीं? फिर?

जिज्ञासु:- इसका कोई निश्चित टाइम नहीं है।

बाबा:- टाइम? अर□लो, कमाल है। अभी बता दिया कि विनाश कब होगा? अंत समय में विनाश होगा। जब विनाश होगा तो सब जग जावेंगे।

Time: 26.44-27.27
Student: Baba, Shivbaba has said that even if one person in a family follows the knowledge, then one day the entire family will start following the knowledge.
Baba: It is correct.
Student: When will it happen? Now it is being seen that if five people follow the knowledge, they go twice and leave the knowledge.
Baba: So, what? Did Lakshman become unconscious or not? So, did he die? (Someone said: No.) Did he regain consciousness or not? Then?
Student: There is no definite time for this.
Baba: *Time*? *Arey*, look, it is wonder; just now it was said, when will destruction take place? Destruction will take place in the end. When destruction takes place, everyone will wake up.

समय:- 27.36-28.32

जिज्ञासु:- विनाश की बात आया .... विनाश कब?

बाबा:- हाँ, जी। पिछाड़ी में होगा।

पिछाड़ी कब होगी? अरे पिछाड़ी कब होगी? (किसी न□कहा- 36-37 में।) हाँ, पिछाड़ी होगी तो विनाश भी पूरा होगा।

जिज्ञासु:- पता पड़ जायगा ना।

बाबा:- तो क्या हुआ? □ट तो नहीं पता पड़ जायगी।

दूसरा जिज्ञासु:- 2012 में बोला है बाबा विनाश हो जावगा।

बाबा:- वो किसन□बोला? हमार□बाप न□बोला है क्या? (किसीन□कहा – नहीं।) अरे तो जिसन□ जो बोला उसी की बात मन में चलती रहती है? इसन□य□बोला-3।

जिज्ञासु:- साइन्टिस्टों की बात है।

बाबा:- हाँ, जी। भक्तिमार्ग का साइन्टिस्ट है?

Time: 27.36-28.32
Student: The topic of destruction was mentioned; when will destruction take place?
Baba: Yes; it will happen in the end.
When will that end come? *Arey*, when will the end come? (Someone said something.) Yes. When the end comes, the destruction will also be completed.
Student: We will come to know, won't we?
Baba: So, what? The *date* will not be known.
Another Student: Baba, it has been said that destruction will take place in 2012.
Baba: Who said that? Did our Father say it? *Arey*, do you keep thinking about whatever someone says? This one said this; this one said that, this one said this.
Another Student: It has been said by the scientists.
Baba: Yes. Is he a scientist of the path of *bhakti*?

समय:- 28.36-30.29

जिज्ञासु:- बाबा, माया सभ्यता बोलके वो लोग बोलते हैं एक कलेण्डर बनाया जो मेक्सिको में रहते हैं। वो माया सभ्यता 5000 साल पहले उन लोगों ने जो कलेण्डर बनाया उसमें लिखा है कि फर्स्ट वर्ल्ड वार का जो डेट दिया वो भी ठीक हुआ।

बाबा:- क्या?

जिज्ञासु:- कलेण्डर में जो डेट दिया।

बाबा:- 1914 में।

जिज्ञासु:- वो ठीक समय में हुआ और सेकण्ड वर्ल्ड वार भी ठीक समय में हुआ।

बाबा:- हाँ। 1945 में।

जिज्ञासु:- वो कलेण्डर चलते-2, 21 दिसम्बर 2012 में आके वो कलेण्डर रुक गया। उसके बाद और कोई डेट नहीं है।

बाबा:- हाँ।

जिज्ञासु:- इसलिए वो लोग डिसिशन लिया सब जो ज्योतिष, आस्ट्रोलजर्स है।

बाबा:- ये मेक्सिको की बात है?

जिज्ञासु:- मेक्सिको में रहने वाले माया सभ्यता वालों का ये काल्कुलेशन है। इसके लिए बोल रहे हैं सभी अभी इतने दिन हम लोग सभी को बोलते थे विनाश होगा-2 तो कोई नहीं मानते थे।

बाबा:- हाँ।

Time: 28.36-30.29

Student: Baba, the people from the Mayan civilization who lived in Mexico prepared a calendar; as per the calendar prepared by the people of Mayan civilization 5000 years ago, the date of the First World War written in it proved to be correct.

Baba: What?

Student: The date given in the calendar.

Baba: In 1914.

Student: It took place at the correct time and the Second World War also took place at the correct time [as predicted].

Baba: Yes. In 1945.

Student: That calendar stops at 21st December, 2012, after which there is no date.

Baba: Yes.

Student: This is why those people, the astrologers took a decision.

Baba: Are you talking about Mexico?

Student: This is the calculation of the people of the Mayan civilization living in Mexico. This is why, now everyone is saying... We have been saying for so many days, that destruction will take place, destruction will take place; nobody used to believe [us].

Baba: Yes.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु:- अभी ये जो कलेण्डर की बात उठा अभी भारत में चारों ओर एक सी.डी. चल रहा है 21 दिसम्बर 2012 में विनाश हो जायेगा।

बाबा:- अच्छा।

जिज्ञासु:- तो अभी सब डर गया।

बाबा:- तो ये माया की सभ्यता बताती है या ईश्वर की सभ्यता बताती है?

सभी:- माया का।

बाबा:- बताने वाले खुद भी मायावी है। वो नहीं जानते हैं कि पृथ्वी किसका नाम है? पृथ्वी माता कौन है जो धुरी चेंज करेगी? सब कुछ विनाश हो जावेगा। वो अंदर की बात है या बाहर की स्थूल दुनियां की बात है? अंदर की बात है।

Student: As regards the topic of calendar that was raised now, there is a CD being played all over India that destruction will take place on 21st December, 2012.
Baba: *Acchaa*.
Student: So, now everyone is frightened.
Baba: So, does the Mayan civilization say this or does the God's civilization say this?
Everyone: Maya's.
Baba: The narrators themselves are illusive (*maayaavi*). They do not know: whose name is Prithvi (Earth)? Who is the mother Earth who will change her axis? Everything will be destroyed. Is it related to the inside [world] or the outside physical world? It is about the inside [world].

समय:- 30.32-31.23

जिज्ञासु:- तो 2012 में जगदम्बा के अंदर कुछ परिवर्तन आयेगी?

बाबा:- बिल्कुल परिवर्तन आयेगा। दुनियां में परिवर्तन आना है तो जो सारे जगत की माता है उसमें परिवर्तन नहीं आयेगा? बाबा कितने गॉरंटी से बोलते हैं नइया डोलेगी, हिलेगी लेकिन डूबेगी नहीं। तो हम प्रश्न करते हैं उस बात पर? प्रश्न करते हैं माना अंदर कहीं अनिश्चय बैठा हुआ है। जिसने सारा फाउण्डेशन डालने में सहयोग दिया, जिसके होने के आधार पर हम यहाँ बैठे हुये हैं, नहीं तो हम भी यहाँ नहीं होते। और उसके लिए प्रश्न चिन्ह ये तो ठीक बात नहीं है।

Time: 30.32-31.23
Student: So, will some transformation take place in Jagdamba in 2012?
Baba: Definitely a change will come. When transformation is to take place in the world, will transformation not take place in the mother of the entire world? Baba says with such a *guarantee*: The boat will shake, it will waver, but it will not sink. And we raise a question on this topic? If we question, it means that there is doubt somewhere inside. The one who helped in laying the entire *foundation*, the one on whose basis we are sitting here, otherwise we won't have been here. And if we raise a question on her; this is not correct.

समय:- 31.27-32.03

जिज्ञासु:- बाबा, थर्ड वर्ल्ड वार उसके आसपास तो होना चाहिए। बाबा ने बोला दो वर्ल्ड वार बाकी हैं।

बाबा:- हाँ जी।

जिज्ञासु:- तो थर्ड वर्ल्ड वार उसके आस पास ही होना चाहिए।

बाबा:- किसके आस पास?

जिज्ञासु:- 2012, 14 के पास होना चाहिए ना।

बाबा:- जब सच्चाई प्रत्यक्ष होगी तो झूठ को मिर्ची लगेगी या नहीं लगेगी? (जिज्ञासु- लगेगी।) हाँ। अभी बी.के. वालों के सामने सच्चाई प्रत्यक्ष हो रही है तो उनको मिर्ची लग रही है कि नहीं लग रही है? लग रही है। सारी दुनियां को भी मिर्ची लगेगी।

Time: 31.27-32.03
Student: Baba, the Third World War should happen around that date. Baba has said that two World Wars are yet to take place.
Baba: Yes.
Student: So, the Third World War should take place around that date.
Baba: Around which date?
Student: It should take place around 2012, 2014, should it not?
Baba: When the truth is revealed, will falsehood burn like hot pepper or not? Yes. Now, when the truth is being revealed in front of the BKs, are they burning like hot pepper or not? They are. The entire world will also burn like hot pepper.

समय:- 32.14-34.07

जिज्ञासु:- बाबा, वैज्ञानिकों को जो प्रमाण मिलता है धरती से निकालते हैं; कंकाल वगैरा मिलता है डायनासॉर का तो कहते हैं कि ये एक लाख, दो लाख, चार लाख साल पुराना है। तो कभी-2 कनफ्यूजन लगता है हमको।

बाबा:- क्यों कनफ्यूजन होता है? उन्होंने जो कुछ काल्कुलेशन निकाला है क्या वैज्ञानिकों के काल्कुलेशन झूठे साबित नहीं होते रहे? (जिज्ञासु- वो तो झूठे ही हैं।) झूठे साबित होते रहे, तो ये भी झूठा है।

Time: 32.14-34.07
Student: Baba, when the scientists find proofs from the excavation; they find skeletons of dinosaur etc., they say: This is one lakh (100000), two lakh, four lakh years old, sometimes we feel confused.
Baba: Why do you feel confused? Whatever calculations they have made; have the calculations of the scientists not proved to be false? They have proved to be false. So, this is false, too.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु:-....

बाबा:-अरे अभी तक उन्होंने ग्रह उपग्रह ढेर सारे निकाल लिये जिनमें कहते हैं जीवन है। कितना पैसा खर्च कर रहे हैं वहाँ जाने के लिए, प्लॉट खरीदने के लिए। फिर? सच्चाई मिली या नहीं मिली? अरे इतनी तो बात बुद्धि में आ जानी चाहिए कि जीवन होने के लिए एक निश्चित दूरी चाहिए सूर्य से। वो निश्चित दूरी सूर्य और पृथ्वी के बीच में ही है। वो भी सारी पृथ्वी पर नहीं, जो पृथ्वी का मध्य भाग है और उसके आस पास का कर्क रेखा और मकर रेखा के आस पास का भाग है, वही निश्चित दूरी है। वहाँ ही जीवन है। इससे परे नार्थ पोल और साउथ पोल में बर्फ ही बर्फ जमी हुई है। शून्य डिग्री से भी नीचे चला जाता है तापमान। वहाँ जीवन नहीं हो सकता। तो और ग्रह उपग्रह तो कोई कितने दूर हैं, और कितने सूर्य के पास हैं। तो वहाँ जीवन कैसे हो सकता है?

Student said something.
Baba: *Arey*, so far they have discovered many planets and satellites where they say life exists. They are spending so much money to go there, to buy a plot [there]. Then? Have they found the truth or not? *Arey*, their intellect should understand at least this much that a definite distance from the Sun is required for the existence of life. That definite distance is only between the Sun and the Earth. Even that is not on the entire Earth, only on the middle portion of the Earth and the area of the Tropic of Cancer and the Tropic of Capricorn that is around it. Only that is at a definite distance. Life exists only there. Beyond this, the North Pole and the South Pole is covered by ice and only ice. The temperature goes even below zero *degree*; there cannot be life there. Then, other planets and satellites are so far and so near to the Sun. So, how can life exist there?

समय:- 34.09 से 34.33

जिज्ञासु:- बाबा। हिन्दी बूझता पाड़ी ना।

बाबा:- हिन्दी बोलती पाड़ी ना? तो कम्पिल फर्रुखाबाद में आ पाड़ी। नहीं तो कलकत्ता मिनी मधुबन में आके रहने लगो।

Time: 34.09-34.33
Student: Baba, I cannot understand Hindi.
Baba: You cannot speak Hindi? If so, come and live at Kampil or Farrukhabad. ☺ Otherwise come and stay at the Calcutta Minimadhuban.

समय:- 34.44-37.12

जिज्ञासु:- बाबा, अष्ट देव में जो नष्ट देव होता है वो क्या बीज होते हैं बाबा?

बाबा:- अष्ट देव कहाँ नष्ट देव होते हैं?

जिज्ञासु:- बाकी चार डिस्ट्रक्शन करने वाला ।

बाबा:- अष्ट देव के अलावा।

जिज्ञासु:- हाँ बाबा। तो वो चार कौन होगा?

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबा:- कौन होगा? माने बाप पार्ट बताते हैं?

जिज्ञासु:- नहीं, नहीं, कौनसे धर्म के होंगे?

बाबा:- विधर्मी होंगे पक्के, जो अपने धर्म के पक्के होते हैं वो जल्दी चेंज होते हैं?

जिज्ञासु:- विधर्मी तो हैं क्रिश्चियन, इस्लाम, मुस्लिम ...

बाबा:- बौद्धी। उनके जो बीज होंगे पक्के-2 वो देवी देवता सनातन धर्म के बीज नहीं होंगे। तो अंत तक ग्लानी करते रहेंगे या ज्ञान सुनावेंगे? बाप को प्रत्यक्ष करेंगे या खुद भगवान बन करके बैठेंगे? गुरु बन करके बैठना माने ग्लानी करना। हम ही सच्चे हैं, हम ही भगवान हैं, शिवोहम तो ये ग्लानी करना हुआ या ज्ञान सुनाना हुआ? ग्लानी करना हुआ।

जिज्ञासु:- बाबा ने बोला जो डिस्ट्रक्शन होता वो भी भला है, बाबा ऐसे भी बोला है।

Time: 34.44-37.12
Student: Baba, are the *nashtdev* (deities of destruction) among the *ashtdev* (eight deities) the seeds?
Baba: The eight deities are not *nasht dev*.
Student: The remaining four [deities] bring destruction…
Baba: Apart from the eight deities.
Student: Baba, yes. So, who will those four be?
Baba: Who will they be? Does it mean that the Father declares parts?
Student: No, no. To which religion do they belong?
Baba: If they are firm *vidharmis*[4]; do those who are firm in their religion *change* soon?
Student: The *vidharmis* are the Christians, the people of Islam, the Muslims …
Baba: The Buddhists. The firm seeds of those [religions] will not be the seeds of the Ancient Deity Religion. So, will they keep on defaming [the Father] till the end or will they narrate knowledge? Will they reveal the Father or will they themselves sit as God? To sit becoming a *guru* means to defame [the Father]. [To say:] I myself am true, I myself am God; I am Shiva; so, is this called defamation or narration of knowledge? It is called defamation.
Student: Baba has said that the destruction that takes place is also beneficial. Baba has said this, too.

बाबा:- हाँ, भला है तो उस भलाई का उनको फायदा मिल जाता है कि भगवान की जो राजगद्दी दिखाई गई है भक्तिमार्ग में, उसमें दास दासी बन जाते हैं। नहीं बनते हैं?

जिज्ञासु:- बनते हैं।

बाबा:- फिर?

जिज्ञासु:- ....

बाबा:- माना ऐसा दास दासी बनना ही पसंद है?

जिज्ञासु:- नहीं बाबा।

बाबा:- अरे, नहीं बाबा। ☺

---

[4] Those whose religion is opposite to that of the Father

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: Yes, it is beneficial; so they get the benefit of that goodness that they become servants around God's throne shown in the path of *bhakti*. Don't they become [that]?
Student: They become.
Baba: Then?
Student said something.
Baba: Does it means that you like to become just servants and maids like this?
Student: No Baba.
Baba: *Arey*, no Baba. ☺

जिज्ञासु:- 76 में जो बीज होते हैं, विधर्मी वही होंगे?
बाबा:- अब जो पुरुषार्थ करेगा सो होगा। सद्गुरु निंदक साथ में रहने का ठौर न पावे। विधर्मियों के बीच में रह करके विदेशों में रह करके ईश्वरीय सेवा करनी पड़ेगी। बाप के नज़दीक रहने का मौका ही नहीं मिलेगा।

Student: Will the seeds who were in 1976 themselves be the *vidharmis*?
Baba: Well, whoever makes [such] *purushaarth* will become [that]. The one who bring the defamation of the Sadguru will not get the accommodation to live with Him. He will have to do Divine service by living in foreign countries among the *vidharmis*. He will not get a chance to live near the Father at all.

समय:- 37.19-38.27
जिज्ञासु:- बाबा, सद्गुरु निंदक ठौर न पावे तो नष्ट देव जो हैं वो सूर्यवंशी कैसे हुए?
बाबा:- सूर्यवंशी कैसे हुए? सूर्यवंशी होने का मतलब है कि सूर्यवंशी जो बीज है सारी दुनियां के उनमें बुरे नहीं हैं?
जिज्ञासु:- जो 12 मणकें हैं ना...।
बाबा:- हाँ, हाँ, 12 में स्थापना करने वाले, पालना करने वाले और विनाश करने वाले बीज नहीं हैं? अरे, शिव के जो तीन पुत्र हैं उनमें एक स्थापना करने वाला, विनाश करने वाला, पालना करने वाला है या नहीं है? (जिज्ञासु – है।) तो जो पहला है, पहला-2 उसी के पहलौटी के तीन बच्चों में ही इतना अंतर है तो जो पहली डिनायस्टी बनेगी उसमें सारी दुनियां के बीज नहीं होने चाहिए? सारी दुनियां के पूर्वज उनमें होना चाहिए या नहीं होना चाहिए? होना चाहिए।

Time: 37.19.38.27
Student: Baba, it is said that the one who defames the *Sadguru*, will not get the accommodation. So, how are the *nashtdev* included among the *Suryavanshis*[5]?
Baba: How are they *Suryavanshis*? Does being *Suryavanshi* mean that the *Suryavanshi* seeds of the entire world do not include the bad ones?
Student: There are 12 beads, aren't there?
Baba: Yes. Aren't there the seeds of those who establish, sustain and destroy among the 12? *Arey*, among the three sons of Shiva, isn't there the one who establishes, the one who destroys and the one who sustains? So, when there is so much difference between the first three

[5] Those who belong to the Sun dynasty

children of the No.1 [Soul], then should there not be the seeds of the entire world in the first *dynasty* that will be formed? Should there be ancestors of the entire world among them or not? There should be.

समय:- 38.30-40.03

जिज्ञासु:- बाबा, 1976 के जो इस्लाम, क्रिश्चियन, बुद्धिस्ट के जो बीज हैं वो नष्ट देव में चले जाते हैं।

बाबा:- नष्ट देव कहे जाते हैं, नम्बरवार कहे जाते हैं या अव्वल नम्बर उनको घोषित कर दिया गया? अभी तो ड्रामा पड़ा हुआ है ना।

जिज्ञासु:- वो लोग आ जायेंगे नष्ट देव ग्रूप में।

बाबा:- अगर राजगद्दी तैयार हो जायेगी, राजधानी तैयार हो जायेगी तो राजधानी तैयार होने के समय वो चंवर ढुलानेवाले, छत्र को धारण करनेवाले वो दास दासी होंगे या नहीं होंगे? वो राजधानी में उनका नम्बर होगा कि नहीं होगा? ज़रुर होगा। (जिज्ञासु ने कहा – मेरा प्रश्न है...।) ये तो वो भाई का ही प्रश्न है ना। पार्ट खोलनेवाली बात है ना। अगर ऐसा पार्ट बजावेंगे सौ पर्सेन्ट अंत तक विरोध करेंगे तो ज़रुर उस नम्बर में आवेंगे। अगर कोई दूसरा नम्बर ले जावेगा तो कैसे आवेंगे? ये तो दौड़ है स्थापना करनेवालों की भी दौड़ है, पालना करनेवालों की भी दौड़ है, और विनाश करनेवालों की भी दौड़ है। इतनी हिम्मत चाहिए।

Time: 38.30-40.03

Student: Baba, the seeds of the Islam, the Christian [religion] and the Buddhist [religion] of 1976 are included among the *nasht dev*.

Baba: They are called *nasht dev*... are they number wise[6] or have they been declared to be *No.1* (deities of destruction)? The *drama* is yet to be completed, isn't it?

Student: They will be included in the group of *nasht dev*.

Baba: When the royal throne (*rajgaddi*) becomes ready, the capital becomes ready, then will there be servants and maids who hold the fans (*canvar*), canopy (*chattra*) or not? Will they hold any *number* (rank) in the capital or not? They will definitely [hold some rank]. (The student said: My question is...) It is the same question as asked by that brother, isn't it? It is about declaring the *part*, isn't it? If they play such *part* hundred *percent*, if they oppose till the end, then they will definitely achieve that *number*. If someone else achieves that *number*, how will they be included [among the *nasht dev*]? This is a race. It is a race for those who do the establishment, those who do the sustenance as well as those who bring destruction. So much courage is required.

समय:- 40.05-42.49

जिज्ञासु:- लेकिन अष्ट देव में कौन-2 धर्म वाले आवेंगे? आठ धर्म के मुखिया ...।

बाबा:- आठ धर्मों के पूर्वज, मुखिया नहीं। मुखिया अच्छी बात नहीं है। आठ धर्मों के पूर्वज। पूर्वजों को ऊँची दृष्टि से देखते हैं या धर्मपिताओं को ऊँची दृष्टि से देखते हैं? पूर्वजों को ऊँची दृष्टि

[6] According to their rank

से देखा जाता है। धर्मपितायें तो सब अपने धर्म के पक्के होते हैं। वो तो चेंज होने वाले ही नहीं हैं। भगवान की बात को पूरा-2 मानने वाले ही नहीं हैं।

जिज्ञासु:- चार जो नष्ट देव हैं वो तो आधार को जन्म देने वाले स्थूल बीज तो हुए ना। स्थूल बीज आधार को जन्म देंगे ना।

बाबा:- क्यों नहीं देंगे?

जिज्ञासु:- तो रतन कह सकते हैं ना।

बाबा:- रतन अलग बात है। रतन एक दूसरे से बहुत कम वैल्यू के होते हैं। रत्नों में कहाँ पुखराज, और कहाँ अव्वल नम्बर रतन हीरा, कितना ब्राड अंतर है। कहाँ मूंगा, कहाँ मोती, कहाँ माणिक्य, अंतर नहीं है? और सूर्यवंशी जो आठ हैं, जो अष्ट **देव** हैं, वो तो सारे ही हीरे हैं या दूसरे-2 रतन हैं? सारे ही हीरे हैं, सूर्यवंशी हैं। हीरा पार्टधारी माना सूर्यवंशी। ज्ञान की चमक मारने वाले हैं । उनसे जास्ती ज्ञानी प्रैक्टिकल जीवन में और हो ही नहीं सकते।

Time: 40.05-42.49
Student: But souls of which religions will be included among the eight deities? The heads of the eight religions...
Baba: The ancestors of the eight religions, not the heads. It is not good to be the head. The ancestors of the eight religions. Are the ancestors seen with respect or are the religious fathers seen with respect? The ancestors are seen with respect. All the religious fathers are firm in their religion. They are not going to *change* at all. They are not at all the ones who accept God's versions completely.
Student: The four *nasht dev* are the physical seeds who give births to the roots (root form souls), aren't they? The physical seeds will give birth to the roots, won't they?
Baba: Why not?
Student: So, they can be called gems (*ratan*), can't they?
Baba: [Being] gems is a different topic. The gems are of very less *value* compared to each other. What a comparison between topaz (*pukhraaj*) and the No.1 gem, i.e. diamond (*hiiraa*) among the gems! There is such a *broad* difference. What a difference between coral (*muungaa*), pearl (*moti*) and ruby (*maanikya*). Isn't there any difference? And are all the eight *Suryavanshis*, the eight deities, diamonds or are they different gems? All are diamonds; they are *Suryavanshis.* Diamond actor means *Suryavanshi*. They are the ones who radiate light of knowledge. There cannot be anyone more knowledgeable than them in the life in practice.

दूसरा जिज्ञासु:- जो आठ में चार हैं उनको ज्ञानी नहीं कहेंगे?

बाबा:- आठ में चार? आठ में चार कहाँ हैं? (किसी ने कहा- नष्टदेवों के बारे में पूछ रहे हैं।) 12 में से जो लास्ट वाले चार हैं वो हीरा कैसे हो गए?

दूसरा जिज्ञासु:- सूर्यवंशी तो हैं।

बाबा:-सूर्यवंशी हैं, सूर्यवंशियों में 12 में से लास्ट नम्बर है लेकिन वो हीरा वो कोटि के नहीं हैं जिन्हें सब धर्मों का पूर्वज कहा जाय। वो सिर्फ क्रिश्चियन धर्म के पूर्वज हुए। क्या? सबको एक

दृष्टि स□दखन□वाल□नहीं हैं। उनकी आदि स□लकर अंत तक पार्शलिटी वाली दृष्टि रहती है या सब एक समान दृष्टि रहती है? पार्शलिटी वाली दृष्टि रहती है।

दूसरा जिज्ञासु:- 12 ज्योतिर्लिंगम जो है...

बाबा:- वो बात अलग।

Another student: Won't the four among the eight [deities] be called knowledgeable?
Baba: Four among eight? Those four (*nasht dev*) aren't included among the eight. How will the *last* four among the 12 be diamonds?
Another student: But they are *Suryavanshis*, aren't they?
Baba: They are *Suryavanshis*; they are the *last* ones among the 12 *Suryavanshis*, but they are not in the category of the diamonds that could be called the ancestors of all the religions. They are just the ancestors of the Christians. What? They do not see everyone equally. Do they see on the basis of partiality from the beginning till the end or do they see everyone equally? They have a vision based on partiality.
Another student: As regards the 12 *Jyotirlingams*…
Baba: That is a different topic.

समय:- 42.52-43.29

जिज्ञासु:- बाबा, पिछाड़ी में विनाश होगा। पिछाड़ी का मतलब क्या है?

बाबा:- पिछाड़ी का मतलब संगमयुग की पिछाड़ी कब है? प्रत्यक्ष होन□की पिछाड़ी कब है? अर□ सन 76 प्रत्यक्षता की पिछाड़ी है, सन 47 प्रत्यक्षता की पिछाड़ी है या 2018 प्रत्यक्षता की पिछाड़ी है, कब है? (किसी न□कहा- 2018) एक तरफ प्रत्यक्षता की नगाड़□ दूसरी तरफ विनाश की नज़ार□

Time: 42.52-43.29
Student: Baba, destruction will take place in *pichaari*; so what is meant by *pichaari*?
Baba: *Pichaari* (the end) means… when is the end of the Confluence Age? When is the end of the revelation? *Arey*, is the year 76 the end of the revelation, is the year 47 the end of the revelation or is 2018 the end of the revelation? When is it? On the one hand there will be the drumbeats of revelation and on the other hand there will be the scenes of destruction.

समय:- 43.33-44.51

जिज्ञासु:- अष्ट द□ का आठ और जो तीन है इस्लाम, क्रिश्चियन और बौद्धि, य□तीन और आठ हुए 11 और चार नम्बर का नष्ट द□ है वो क्या आर्य समाज स□कनेक्ट□ है?

बाबा:- वो तो वैल्यूल□ हो गया आर्यसमाजी। (जिज्ञासु न□कहा – वो आर्य समाजी स□कनेक्ट□ है?) हाँ जी, वो तो वैल्यूल□ हो गया उसकी कोई वैल्यू नहीं। वो तो सिर्फ दूसरों की वैल्यू को बतान□क□ लिए है। कभी इधर और कभी उधर।

जिज्ञासु:- सूर्यवंशी ग्रूप में भी वो है।

बाबा:- 12 में तो है।

दूसरा जिज्ञासु:- अष्ट देव जो है वो धारणा में क्या परिपक्व पुरूषार्थी हैं?

बाबा:- बिल्कुल। जो सबका पूर्वज होगा वही धारणा में परिपक्व नहीं होगा तो पूर्वज का टाइटिल कैसे मिल जायेगा? हर धर्म में कोई न कोई अच्छी धारणायें हैं या नहीं हैं? हैं, तो उन अच्छी-2 धारणाओं का मुखिया तो कोई होगा कि नहीं होगा? एक ही होगा कि दो चार होंगे? एक ही होना चाहिए।

Time: 43.33-44.51

Student: Baba, the eight deities and the other three [i.e.] the Islam, Christian, Buddhist. These three and eight make eleven; and the fourth *nashtdev*, does he belong to the Arya Samaj?

Baba: Arya Samaji is *valueless*. Yes, he is *valueless*. He does not hold any *value*. He is present only to show the *value* of others. Sometimes he is here and sometimes there.

Student: He is in the *Suryavanshi* group as well.

Baba: He is among the 12.

Another student: Are the eight deities such *purushaarthis*[7] who do *dhaaranaa*[8] perfectly?

Baba: Definitely. If the one who is everybody's ancestor himself not firm in *dhaaranaa*, how will he get the *title* of being an ancestor? Are there good precepts in every religion or not? There are, so, will there be a head of those nice precepts or not? Will it be only one or two-four? There should be only one.

समय:- 45.03-47.19

जिज्ञासु:- बाबा, सूर्य शब्द का अर्थ क्या है?

बाबा:- सुर माना क्या है? देवता। जैसे तेलुगू में कहते हैं अक्कय्या, अन्नय्या तो ये बड़े का सूचक है ना। 'या' शब्द आ जाता है ना। अय्या, अय्यप्पा, तो सूर्य का मतलब क्या हुआ? सूर्यवंशियों का अप्पा, बड़ा। उससे बड़ा सूर्यवंशियों में कोई होता ही नहीं है। भगवान जब आता है तो पहले-2 ज्ञान किसको देता है? सूर्य को देता है।

जिज्ञासु:- दक्षिण भारत में अय्यप्पा एक भगवान भी है उनका ।

बाबा:- वो तो भक्तिमार्ग की बात हो गई। वो तो काले कपड़े पहनते हैं। काला किस बात का सूचक है? उनकी आत्मा काली है या कपड़े काले दिखाते हैं? आत्मा काली दिखाने के लिए उन्होंने काले कपड़े दिखाये हुये हैं। वास्तव में जो अपना सच्चा पोतामेल देते हो वो आत्मा से काले कहे जायें या गोरे हैं? गोरे हैं। तो ये सब बेहद के अय्यप्पा के औलाद बैठे हैं। जहाँ यात्रा करते हैं तो पैदल यात्रा करते हैं या सूटेड बूटेड होकर के करते हैं? पैदल यात्रा करते हैं। माने उनकी यात्रा बुद्धि योग की यात्रा है। कोई प्रकार का स्थूल आधार लेके की यात्रा नहीं है।

---
[7] The ones who make spiritual effort
[8] Put virtues in practice

Time: 45.03-47.19
Student: Baba, what is meant by the word '*Surya*' (Sun)?
Baba: What is meant by '*Sur*'? Deity. For example, you say *'Akkayyaa*' (elder sister), '*Annayyaa*' (elder brother) in Telugu. So, this indicates elders, isn’t it? The word '*yaa*' is suffixed, isn't it? *Ayyaa, Ayyappaa*; so what is meant by Surya? The *Appaa* (father) of the *Suryavanshis*. The elder one. There is nobody elder than him among the *Suryavanshis*. When God comes, whom does He give the knowledge first of all? He gives it to the Sun.
Student: Baba, there is also a God named Ayyappa in South India.
Baba: That is a topic of the path of *bhakti*. They wear black clothes. What does black indicate? Is their soul black or are their clothes shown to be black? In order to show the soul to be black, they have shown black clothes. Actually, will those who give their true *potaamail*[9] be said to be black with respect to their soul or are they fair? They are fair. So, all these are the children of the unlimited Ayyappa sitting here. When they go on a pilgrimage, do they travel on foot or do they travel well-dressed? They travel on foot. It means that their pilgrimage is through the *buddhiyog* (connection of the intellect). It is not a pilgrimage of taking any kind of physical means.

समय:- 47.22-49.04

जिज्ञासु:- इन्द्रिय शब्द का अर्थ क्या है बाबा?

बाबा:- इन्द्र का अर्थ क्या है? इन्द्र का अर्थ है राजा। इन्द्रियाँ सार□शरीर को चलान□वाली हैं। पूर□ शरीर को चलान□वाली कौन हैं? इन्द्रियाँ हैं। दो प्रकार की इन्द्रियाँ हैं। एक ज्ञानन्द्रिय हैं, और एक कर्मेन्द्रिय हैं। तो ऊँची स्टाज कौनसी इन्द्रियों की है? ज्ञानन्द्रियों की ऊँची स्टाज है, आर्□र दाा□वाली हैं। कान पहल□सुनता है- वो मर गया। तो क्या करना है वो फिर ऊँच□त□ऊँची इन्द्रिय उसक□पास बात पहुँचती है। वो फैसला कर दाा है। तो जो इन्द्रियाँ हैं वो शरीर को चलान□वाली राजा हैं नम्बरवार लाकिन सबका मुखिया कौन है? सब इन्द्रियों का मुखिया कौन है?

जिज्ञासु:- आँख।

बाबा:- नहीं, मन।

जिज्ञासु:- वो तो ग्यारहवीं इन्द्रिय है।

बाबा:- ग्यारहवीं इन्द्रिय ही सबका मुखिया है। सब इन्द्रियों की बात पहल□कहाँ पहुँचती है? मन में पहुँचती है। फिर उन सबस□ऊँचा है राजा बुद्धि। वो फैसला कर दाा है। जजमाट पॉवर। क्या करना है और क्या नहीं करना है।

Time: 47.22-49.04
Student: Baba, what does the word ‘*indriya’* mean?
Baba: What is meant by Indra? *Indra* means king. The indriya[10] run the entire body. Who runs the entire body? The *indriya*. There are two kinds of *indriya*. One are the sense organs and the other are *karmendriya*[11]. So, which organs are in a high *stage*? The sense organs are in a high *stage*; they give orders. The ear hears first: ‘he died’, then what is to be done? This

[9] A letter to Baba containing the account of the secrets and weaknesses of one’s mind, body and wealth
[10] Parts of the body
[11] Parts of the body used to perform action

message reaches the highest *indriya*. It decides. So, the *indriya* run the body, they are kings numberwise[12]. However, who is the chief of all of them? Who is the chief of all the *indriya*?
Student: Eyes.
Baba: No, mind.
Student: That is the eleventh *indriya*.
Baba: The eleventh *indriya* itself is the head of all [the *indriya*]. Where does the news of all the *indriya* reach? It reaches the mind. Then, the king higher among all of them (the remaining ones) is the intellect. It decides. [It has] the *judgement power*. [It decides] what is to be done and what is not to be done.

समय:- 49.07-50.54

जिज्ञासु:- बाबा, हमारी लड़की है, बड़ी लड़की है ना, वो पूछती है, बाबा को हम पैसे देंगे तो लेंगे? हमने कहा, हाँ लेंगे।

बाबा:- बाबा का बच्चा बन गई?

जिज्ञासु:- बाबा को मानती है, चलती नहीं है।

बाबा:- अरे, मानती है, कोई कहे हम मानते हैं..., भक्त सारे क्या मानते हैं? हम भगवान को मानते हैं, लेकिन मानते हैं, क्या जानते भी हैं? अगर जानते हों तो जो बात भगवान कहे वो मानते भी होंगे। तो बाप बच्चों के लिए आया है, बच्चों से लेन देन करेगा या बाहर वालों से लेन देन करेगा? (जिज्ञासु- हमारी लड़की है।) तुम्हारी लड़की होगी, भगवान की बच्ची तो नहीं बनी। (जिज्ञासु- हम तो बाबा की बच्ची हैं ना।) हाँ, आप तो नौ महीने बराबर नौ दिन ज्ञान गर्भ में पले हैं। तब निश्चयबुद्धि रुपी बच्चे बने हैं। वो कहाँ बनी? और फिर अगर बनी भी हो तो फिर रोज क्लास करने वाली हो। बाप के घर में बच्चा खेलेगा या बाहर की दुनियां में खेलेगा? कहाँ रहेगा, कहाँ खेलेगा? तो भट्ठी भी की हुई हो और साथ-2 जो बाप के घर हैं गीता पाठशालायें, मिनी मधुबन उनमें खेलती बहलती भी हो।

जिज्ञासु:- हमको बेटी कहती है माँ, तुम्हारे बाबा को हम पैसे देंगे।

बाबा:- इतने बड़े क्लास में पर्सनल बातें नहीं पूछी जातीं।

Time: 49.07-50.54
Student: Baba, my daughter, my elder daughter asks will Baba accept the money she gives. I said, yes he will.
Baba: Has she become Baba's child?
Student: She accepts Baba, but does not follow [the knowledge].
Baba: *Arey*, she accepts; someone may say that he accepts…; what do all the devotees think? 'We accept God', [they say that] they accept [but] do they also recognize [Him]? If they know [Him], then they will also accept whatever God says. So, the Father has come for the children; will He have the exchange with the children or with the outsiders? (Student: She is my daughter.) She may be your daughter; she hasn't become God's daughter. (Student: I am the child of Baba, am I not?) Yes. In the womb of knowledge you have obtained sustenance

[12] According to the extent they run the body

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

for nine days, which equals to nine months [in the *lokik* world]. It is then that you have become a child who has a faithful intellect. She didn't become that. And even if she has become [Baba's child], she should attend the classes daily. Will a child play in his father's home or will he play in the outside world? Where will he live, where will he play? So, she should have undergone the *bhatti* and along with that she should also be playing and taking delight in the Father's home, [i.e.] the Gita *paathshaalaas, Minimadhubans*.
Student: My daughter says, 'Mother, I will give money to your Baba'.
Baba: You should not ask *personal* questions in such a big *class*.

समय:- 50.57-52.00

जिज्ञासु:- बाबा, जब यज्ञ करते हैं तो स्वाहा-2 बोलते हैं। किसी भाई ने पूछा इसका अर्थ क्या होता है? स्वाहा ही क्यों कहते हैं?

बाबा:- स्व माना क्या है?

जिज्ञासु:- आत्मा।

बाबा:- तो आत्मा में जो कुछ विकृति भरी हुई है वो सब जल जायें। जो भी पाप भरा हुआ है वो सब नष्ट हो जायें। जल भुन करके खाक हो जायें। तन का मोह, धन का मोह, समय का मोह, संबंधियों का मोह, प्रिय पदार्थों का मोह वो सब राख हो जाय। इसलिए अव्यक्त वाणी में बोला है अब राख कितने बनते हैं, और कौन बनता है यह भी देखेंगे। इसको कहते हैं 'स्वा हा' कुछ भी नहीं रहा हमारे पास।

Time: 50.57-52.00
Student: Baba, when a *yagya* is organized, people say *'swaahaa, swaahaa'*; a brother asked what is meant by this? Why do they say only *' swaahaa'*?
Baba: What is meant by *swa*?
Student: Soul.
Baba: So, whatever defects (*vikruti*) there are in the soul, should burn. Whatever sins are contained [in the soul], should be destroyed. It should be burnt to ashes. The attachment to the body, the attachment to the wealth, the attachment to time, the attachment to relatives, the attachment to things you like, should turn to ashes. This is why it has been said in the avyakt vani, how many become ash and who becomes ash, we will also see this. This is called *swaa haa*; we have nothing left.

समय:- 52.04-53.29

जिज्ञासु:- बाबा, विष्णु का अर्थ है , नो विष एट ऑल। छोटी माँ तो प्यूरिटी की देवी है। मुरली पढ़ती है तो अभी तक क्यों नहीं साकार बाबा को पहचानी?

बाबा:- मुरली पढ़ना पवित्रता है या मुरली को समझना ज्यादा पवित्रता है?

जिज्ञासु:- बाबा वो तो प्यूरिटी की देवी है।

बाबा:- और मुरली...। अभी है, या बनेगी? अभी विष्णु है कहें या विष्णु होगा?

जिज्ञासु:- अभी तक वो प्यूरिटी की देवी नहीं है?

बाबा:- अरे, उनको मालुम है कि सन्यासियों की पवित्रता क्या होती है और बड़े ते बड़ा गृहस्थी बाप जो आया हुआ है उसके साथ रह करके, साथ सो करके, पवित्र जीवन बितानेवाली अनुभूति क्या होती है उसको पता है? नहीं। तो फिर पवित्रता की मूर्ति काहे के लिए?

जिज्ञासु:- बाद में होगी।

बाबा:- जब बात बुद्धि में बैठे तो कहा जायेगा। अभी तो ब्रह्मा कुमारियों के रंग में रंगे हुये हैं। सन्यासी लोग क्या समझते हैं? हम बड़े पवित्ते (पवित्र) हैं। ☺

Time: 52.04-53.29

Student: Baba, Vishnu means no *vish* (poison) at all. The junior mother is a *devi* (female deity) of purity. She reads the murlis, still why hasn't she recognized the corporeal Baba so far?

Baba: Is reading the murlis called purity or is understanding the murlis called greater purity?

Student: Baba, she is a *devi* of purity.

Baba: And murli…; is she [a *devi* of purity] now or will she become that? Will it be said that she is Vishnu now or will she **become** Vishnu? ☺

Student: Is she not yet the *devi* of purity?

Baba: *Arey*, does she know what is meant by the purity of the *sanyasis*? And the Father the biggest householder who has come; does she know what the feeling of leading a pure life while living with Him, while sleeping with Him is? No. Then why is she a personality of purity?

Student: She will become that later.

Baba: When the topic sits in her intellect then it will be said [that she is a *devi* of purity]. Now she is coloured by the influence of the Brahmakaumaris. What do the *sanyasis* think? We are very pure. ☺

समय:- 53.35-54.53

जिज्ञासु:- बाबा, जो बेसिक वाले हैं उनको एडवान्स का ज्ञान देने के पहले क्या बात बोलना चाहिए बाबा? बहुत कनफ्यूजन हो रहा है। क्योंकि पहले से ही इनकार कर देते है हम सुनना नहीं चाहिए, जाओ, तो कैसे बात करें?

बाबा:- जिसको भूख ही नहीं है, जान लिया ये नहीं सुनना चाहता, ये नहीं पीना चाहता, हम जो भोजन दे रहे हैं वो नहीं खाना चाहता, तो दान भूखे को, प्यासे को दिया जाता है या जिसे भूख, प्यास लगी नहीं हो उसको बाँटते फिरें? ये तो मूर्खता हो गई। संदेश सबको देना है। लेकिन जो लेना चाहते हैं उनको समझाना है। जो लेना ही नहीं चाहते कान में उंगली दे लेते हैं वो कहते हैं अल्लाह मिया को याद करो, तो कौनसे धर्म के पक्के हैं? समझ लो इस्लाम धर्म के पक्के हैं। वो इस्लाम धर्म में कन्वर्ट होनेवाले हैं वो हमारी बात नहीं सुनेंगे और सुन भी लिया थोड़ा बहुत चल भी पड़े तो अंत में जब परिक्षायें आयेंगी तो उसमें ठकोसला हो जायेंगे।

Time: 53.35-54.53
Student: Baba, what should we tell those who follow the basic knowledge before giving them the advance knowledge? There is a lot of confusion [regarding this] because they tell us beforehand that they do not wish to listen, they say, go away. So, how should we talk to them?
Baba: The one who does not have any hunger at all; when you have come to know that he does not wish to listen, he does not want to drink [the water of knowledge], he does not wish to eat the food that we wish to offer him, then... is donation given to a hungry person, a thirsty person or should we go about distributing [alms] to those who do not feel hungry or thirsty? This is foolishness. You have to give the message to everyone. But you have to explain to those who wish to obtain [the knowledge]. Those who do not wish to obtain [the knowledge] at all, those who put fingers in their ears and say, remember *Allah Miyan*[13] , they are firm in which religion? Consider that they are firm in Islam. They are the ones who will *convert* to Islam; they will not listen to us and even if they listen, even if they start following [it] to some extent, they will [prove to] be untrue when they face the tests in the end.

समय:- 54.57-59.12

जिज्ञासु:- बाबा, सद्गुरु का पार्ट तो अंत में होगा ना?

बाबा:- हाँ जी।

जिज्ञासु:- तो य□जो गायन है ना सद्गुरु का निंदक ठौर न पाव□

बाबा:- हाँ जी।

जिज्ञासु:- अंत में सद्गुरु का पार्ट होगा।

बाबा:- है तो अंत में ल□िकन बुद्धि रुपी तीसर□न□ स□अभी दिखाई पड़ता है या नहीं पड़ता है? पार्ट तो प्रैक्टिकल में अंत में वो कड़क पार्ट आव□ा। सद्गुरु का पार्ट है बहुत कड़क। बाप तो फिर भी प्यार का नुमाइंदा होता है। बच्चों स□प्यार करता है। चलो, छोड़ो, म□□ही बच्च□हैं। बाप की बच्चों में उम्मीद रहती है। ल□िकन गुरु ऐसी कोई उम्मीद नहीं रख□ा। एक बार कहा, नहीं माना, ज्यादा स□ज्यादा माफ कर द□ा। दो बार कहा, नहीं माना, माफ कर द□ा| तीसरी बार माफ करन□वाला नहीं है। उस□सद्गुरु कहो या रुहानी मिलट्री का मार्शल कहो एक ही बात है। युद्ध भूमि में अगर कोई योद्धा ऊपर वाल□आफीसर की बात मानन□स□इनकार कर द□तो क्या करत□हैं? गोली स□ठाँ कर द□□हैं। अनिश्चय बुद्धि मौत मर जाओ तुम नई दुनियां में जान□काबिल नहीं हो।

जिज्ञासु:- बाबा, य□तो ठीक है...।

Time: 54.57-59.12
Student: Baba, *Sadguru*'s part will be played in the end, won't it?
Baba: Yes.
Student: So, the saying that the one who defames the *Sadguru* will not find any accommodation.
Baba: Yes.
Student: *Sadguru*'s part will be played in the end.

[13] A term for God among the Muslims

Baba: It will definitely be played in the end, but do you see Him through the intellect in the form of the third eye now or not? The *part*, the strict *part* will be played in practice in the end. *Sadguru's part* is very strict. The Father is however a representative of love. He loves the children [thinking:] OK, leave it; they are after all my children. The Father has hopes for the children. But guru will not have such hope. He will say once, if you do not listen, then at the most He will pardon [you]. He will say it the second time, if you do not listen, He will [still] pardon [you], but He is not going to pardon [you] for the third time. Call him *Sadguru* or the *Marshall* of the spiritual *military* (army); it is one and the same. What do they do if a warrior does not obey the orders of the senior officer in the battle field? They shoot him with a bullet. May you die the death of being the one with a doubting intellect. You are not worthy of going to the new world.
Student: Baba, it is fine that...

बाबा:- अर□ निंदा शुरुआत स□कर रहा होगा या अंत में कर□गा? निंदा जो करन□वाला है वो पहल□ स□ही निंदा करन□क□ संस्कार भर रहा होगा या अंत में जाकर क□ निंदा कर□गा? पहल□स□ अभी निंदा कर रहा होगा कि नहीं कर रहा होगा?

जिज्ञासु:- कर रह□हैं।

बाबा:- हाँ जिसकी निंदा कर रहा है वो साकार होगा सद्गुरु या निराकार होगा?

सभी:- साकार होगा।

बाबा:- माना कोई हैं ना। बुद्धि तो समझती है ल□किन बीच-2 में बुद्धि अनिश्चय बुद्धि बन जाती है। पता नहीं है या नहीं है? य□हो सकता है...

जिज्ञासु:- जो फाइनल प□□र है, बाबा फाइनल प□□र में कन्सि□र करना चाहिए जैस□बाप बच्चों स□ ख□□ पाल करत□हैं अभी, बच्च□भी कोई-2 बाप स□ख□□ पाल करता है। भूल, तृटि होती है। ल□किन फाइनल प□□र है सद्गुरु निंदक ठौर न पाव□तब उसको मार्किंग करना चाहिए कि य□सद्गुरु क□ निंदक है तब ठौर न पाव□

बाबा:- माना अभी कोई निंदा कर रहा है अभी कोई निंदा करन□वालों की लिस्ट में है तो वो माफ कर दिया जाय□गा? (जिज्ञासु न□कहा – जैसा शब्द है उसक□ आधार पर...।) हाँ-2 सद्गुरु की निंदक ठौर न पाव□ यहाँ बाप-टीचर-सद्गुरु एक ही है या बदल जाय□गा?

जिज्ञासु:- एक ही है।

Baba: *Arey*, will he be defaming [the *Sadguru*] from the beginning or will he defame in the end? Will the one who brings defamation, record the *sanskaars* of defaming from the beginning itself or will he defame in the end? [He will be recording the *sanskaars*] from the beginning. Will he be defaming now or not?
Student: They are defaming [Him].
Baba: Yes, will the Sadguru whom he is defaming be corporeal or incorporeal?
Everyone said: He will be the corporeal one.
Baba: It means that there is someone, isn't there? The intellect does understand but it loses faith in between. [They think:] Who knows whether He is [the *Sadguru*] or not? This can be possible…

Student: Baba, in the final paper (examination) it should be considered; for example, now the Father plays with the children; some children also play with the Father. They commit some mistakes, make faults. But in the final paper, the one who defames the *Sadguru* does not find the accommodation; then the marking should be done that such and such person has defamed the *Sadguru*. Then he should not find the accommodation.
Baba: Does it means that if someone is defaming now, if someone is in the *list* of those who defame now, then he should be pardoned? (The student: According to the word...) Yes, the one who defames the *Sadguru* does not find accommodation. Here, is the Father, the *Teacher* and the *Sadguru* the same or will they change?
Student: They are one.

बाबा:- फिर?

जिज्ञासु:- लेकिन पार्ट तो लास्ट में है ना।

बाबा:- भले बाद में है। प्रैक्टिकल पार्ट बाद में होगा। अभी प्यार का पार्ट है बाप का। (जिज्ञासु - बच्चे भी तो छोटे2 हैं।) टीचर का पार्ट है। भले छोटा-2... बच्चों में भी ज्यादा लेने वाले, ज्यादा पढ़ाई पढ़ने वाले, ज्यादा समझने वाले हैं या नहीं हैं? (किसी ने कहा- है।) तो वो ज्यादा प्राप्ति कर जायेंगे। जिन्होंने छोटे2... हम तो छोटे ही रहेंगे। सारी जिंदगी पढ़ाई पढ़ते हो गया और हम छोटे ही रहेंगे, गलतियाँ करते ही रहेंगे। छोटा समझना अच्छी बात है क्या? अरे, कृष्ण जैसी श्रेष्ठ आत्मा उसका भी पद नीचा हो जाता है। जो ऊँच ते ऊँच संगमयुग है उसमें उसका पद नहीं रहता। तो बच्चा बुद्धि बनना अच्छा नहीं है। यहाँ तो बुद्धिमान बाप के सब बच्चे कैसे हैं? बुद्धिमान बाप के बुद्धिमान बच्चे होने चाहिए। ये कह करके छोड़ दें कि हम तो बच्चे हैं, कितनी बार माफ किया जायेगा?

Baba: Then?
Student: But His part is in the end.
Baba: Although it is in the end; the *part* will be played in practice later on. Now, the Father's *part* is of love. (Student: Even among the children there are small ones ...) It is the *part* of the *Teacher*. Though they are small, are there the children who obtain more, study more, understand more or not? (Someone said: There are.) So, they will obtain more attainments. Those who think: 'We will remain just small', they have spent their entire life studying and still [say:] 'We will remain small, we will continue to commit mistakes', is it good to consider yourself to be small? *Arey*, the position of an elevated soul like Krishna also becomes low. He loses his position in the highest Confluence Age. So, it is not good to become one with a child like intellect. How are all the children of the intelligent Father here? The children of the intelligent Father should be intelligent. If you give an excuse [saying:] 'We are children (small)', then how many times will you be pardoned?

59.20 - 01.00.00

जिज्ञासु:- ज्ञान का सागर बाप का मार का पार्ट भी चलता है ना।

बाबा:- ज्यादा से ज्यादा मार ज्ञान रतन मार देंगे। बस। और क्या मार? ज्ञान की कोई ऐसी तीखी बात कह देंगे जो दिल में लग जाये। इससे ज्यादा तो कुछ नहीं है। इससे ज्यादा है कुछ

क्या? कुछ भी नहीं। (किसीने कुछ कहा।) हाँ, न मर क्या जायेगा? पॉवरफुल होगा तो जिंदा रहेगा और कमजोर है दूसरे धर्म में कन्वर्ट होनेवाला है तो मर जाना ही अच्छा।

Time: 59.02-01.00.00
Student: The Father, the Ocean of Knowledge plays the part of beating as well, doesn't He?
Baba: At the most He may hit [you] with the gems of knowledge. That is all. How else will He beat [you]? He may say such a sharp point of knowledge that affects the heart. [He does] nothing more than that. [Does He do] anything more than that? Nothing. (Someone said something.) Yes, no he won't die. If He is *powerful*, He will remain alive and if He is weak, if He is going to convert to other religions, then it is better for him to die.

समय:- 01.00.04-01.01.00

जिज्ञासु:- बाबा, एक कैसेट में सुना है सतयुग में स्वर्ण लिंग।

बाबा:- , सतयुग में स्वर्ण लिंग नहीं होता है। सोने का लिंग बनाया जाता है जब भक्तिमार्ग सतोप्रधान होता है तब सोने का लिंग बनाते हैं। जब सतोसामान्य भक्ति होती है तब रजतलिंग बनाते हैं। जब भक्ति रजोप्रधान बन जाती है तब ताम्रलिंग बनाते हैं और जब भक्ति तामसी बन जाती है, व्यभिचारी तो लोहे का या पत्थर का लिंग बनाते हैं। सतयुग में कोई लोहे, चाँदी, सोना, ताम्बे का लिंग होने की बात नहीं है।

Time: 01.00.04-01.01.00
Student: Baba, I have heard in a cassette that there is a golden *ling* in the Golden Age.
Baba: There is no golden *ling* in the Golden Age. When the path of *bhakti* is *satopradhaan*, a golden *ling* is made. When *bhakti* becomes *satosaamaanya,* a silver *ling* is made. When *bhakti* becomes *rajopradhaan*, a copper *ling* is made. And when *bhakti* becomes *taamsi* (degraded), adulterous, then they made an iron or a stone *ling*. There is no question of the existence of iron, silver, golden, copper *ling* in the Golden Age.

समय:- 01.01.09-01.08.09

जिज्ञासु:- बाबा, स्थूल गंगा का पानी हरिद्वार से समतल से निकलता है।

बाबा:- हरिद्वार में गंगा मैदान में आती है। किसके द्वार में? हरिद्वार में। हरद्वार में नहीं, हर कहते हैं शंकर को, पापों को नाश करनेवाला। और हरि कहते हैं कृष्ण को। तो कृष्ण के द्वार में गंगा आती है, तब वो मैदान में आ जाती है। मैदान में आना माने युद्ध के मैदान में आ जाती है। ऊँची स्टेज से कहाँ उतर आती है? नीची स्टेज में आ जाती है।

जिज्ञासु:- हमारा ज्ञान गंगा साकार मुख के द्वारा चलती है।

बाबा:- गंगा जब कहा जाता है तो किसी व्यक्ति का नाम पहले है कि पहले सूक्ष्म गंगा ज्ञान की है? पहले चैतन्य गंगा रही होगी या ज्ञान गंगा रही होगी? चैतन्य गंगा भी चाहिए। यज्ञ के आदि में भी वो बेसिक नालेज में चैतन्य गंगा थी। अभी भी कहीं न कहीं है, प्रत्यक्ष नहीं है क्योंकि ज्ञान गंगा ही एक ऐसी आत्मा है जो शंकर जी के मस्तक पर कन्या के रुप में बैठी हुई दिखाई

जाती है कि माता के रुप में बैठी हुई है? कन्या के रुप में। माना सबसे पहले सर्वोपरि सतोप्रधान एडवान्स ज्ञान और बेसिक ज्ञान कौन उठाती है? गंगा उठाती है। भले परिपूर्ण ज्ञान नहीं उठाती लेकिन पहले उठाती है। तो आदि में, सो अंत में भी प्रत्यक्ष होगी।

Time: 01.01.09-01.08.09
Student: Baba, the physical river Ganges comes to the plains (*samtal*) in Haridwar.
Baba: The Ganges comes to the plains in Haridwar. In whose *dwaar* (gate)? In **Hari**dwar. Not in **Har**dwar. Shankar is called Har, the one who destroys the sins. And Krishna is called Hari. So, when the Ganges enters the gate of Krishna, it comes to the plains (*maidaan*). Coming to the plains means that she comes to the battlefield. Where does she come down to from a high *stage*? She comes to a low *stage*.
Student: Our Ganges of knowledge that comes out from the mouth of the corporeal one…
Baba: When we say 'the Ganges', then is it the name of some person first or is it about the subtle Ganges of knowledge first? Will there be a living Ganges first or will there be the Ganges of knowledge [first]? The Living Ganges is also required. Even in the beginning of the *yagya*, there was that living Ganges in the *basic knowledge*. Even now she is present somewhere. She is not revealed because the Ganges of knowledge is the only soul which is shown to be sitting in the form of a virgin on the head of Shankar or is she sitting in the form of a mother? In the form of a virgin. It means, who grasps the highest, *satopradhaan advance* knowledge and *basic* knowledge first of all? The Ganges grasps it. Although she does not grasp the complete knowledge, she grasps it first. So, the one who is revealed in the beginning will be revealed in the end as well.

(दूसरा जिज्ञासु- दो गंगायें हैं।) अभी बात पूरी नहीं हुई है। हाँ ? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) बताई ना। पहले गंगा पवित्र ऊँची स्टेज में रहती है, युद्ध की स्टेज में नहीं है। युद्ध करना ऊँची स्टेज है या युद्ध से परे होकर के स्टेज बनाना अच्छी बात है? युद्ध की स्टेज नहीं होनी चाहिए। लेकिन गंगा की बुद्धि में भी बैठता है गॉड वॉट्स हेविन ईज़ महाभारत। जब तक महाभारी महाभारत युद्ध से पसार नहीं होंगे- ये सत्य और असत्य का युद्ध है - तब तक हमारी आत्मा को प्राप्ति होने वाली नहीं है। फैसला ही नहीं होगा। हमने धर्म का साथ दिया या अधर्म का साथ दिया? (दूसरे जिज्ञासु ने कुछ कहा।) अरे, उनको पूरी बात रह गई।

जिज्ञासु:- वो ही पूछना चाहते हैं कि ज्ञान गंगा साकारी कृष्ण के द्वारा...

बाबा:- साकारी कृष्ण द्वारा?

जिज्ञासु:- मुरली जो चला है...।

बाबा:- मुरली को गंगा नहीं कहा जाता । मुरली को तो कह दिया ये ज्ञानामृत नहीं है। गंगा के मुख से तो ज्ञाना**मृत** निकलता है। जो मुख में डाला जाता है। वो मंथन किया हुआ ज्ञान होगा या बिना मंथन का ज्ञान होगा? मंथन किया हुआ। तो कोई ऐसी कन्या श्रेष्ठ निकले जिसका गायन उत्तर भारत में है जिसके मुख से वो ज्ञानामृत निकले और पवित्रता की पॉवर से चारों ओर उत्तर भारत में फैल जाय। ऐसे 2 सन्यासी जब निकलेंगे तो तुम बच्चों की विजय हो जावेगी।

(Another student: There are two Ganges.) The topic is not over yet. (To the student :) Yes? (The student said something.) It was said, wasn't it? The Ganges is in a pure, high *stage* first; she is not in the *stage* of war. Is fighting a war a high *stage* or is attaining a *stage* beyond wars a good thing? There should not be a *stage* of war. But it sits in the intellect of the Ganges as well that the *gateway to heaven is* Mahabharata. Unless we pass through the massive war of Mahabharata - this is a war between truth and untruth - our soul is not going to obtain attainments. There cannot be a decision at all: Did we side with *dharma* (religion) or *adharma* (irreligiousness)? (Another student said something.) *Arey*, his question is incomplete.

Student: That is what I wish to ask that the Ganges of knowledge ... through the corporeal Krishna…

Baba: Through the corporeal Krishna?

Student: The murli that is narrated...

Baba: Murli is not called the Ganges. As regards the murli it has been said that this is not the nectar of knowledge. The **nectar** of knowledge, which is put in the mouth, emerges from the mouth of the Ganges. Will it be the churned knowledge or will it be the knowledge that is not churned? It will be churned. So, an elevated virgin who is praised in North India should emerge. That nectar of knowledge should emerge from her mouth and it should spread in the entire north India through the *power* of purity. When such *sanyasis* emerge, you children will gain victory.

दूसरा जिज्ञासु:- तो पहला सन्यासी तो भीष्म होना चाहिए ना? गंगा पुत्र भीष्म कहते हैं ना।

बाबा:- अच्छा, पहले गंगा होती है कि भीष्म पितामह होता है पहले? दोनों के बीच में पूज्य कौन है, पुजारी कौन है? गंगा पूज्य है। फिर? आप कह रहे हैं भीष्म पितामह ज्यादा पूज्य है।

दूसरा जिज्ञासु:- नहीं, गंगा द्वारा तो उद्धार होगा भीष्म पितामह का।

बाबा:- गंगा द्वारा उद्धार होगा ना। तो पूज्य कौन हुई? गंगा हुई या भीष्म पितामह? गंगा हुई। गंगा के साथ गंगाधर है तो पूज्य है। गंगा नदी के साथ अगर भगवान नहीं है तो नदी नहीं है क्या है? नाला है।

दूसरा जिज्ञासु:- तो बाबा ने वार्तालाप में बोला जो जगत माता उसको कहते हैं शिखण्डी। वो भी भीष्म के सामने जब आ जाता है, कोई समय पुरुष वेश में, कोई समय नारी वेश में तो भीष्म सारा युद्ध अस्त्र शस्त्र छोड़ देता है। अर्जुन का गार्ड कर देता है। तो जगत माता का पार्ट क्या होगा? ...

बाबा:- अरे, जगतमाता का पार्ट स्त्री चोले में होगा या पुरुष चोले में होगा?

दूसरा जिज्ञासु:- बाबा ने बोला दोनों तरह में होगा। वो तो शिखण्डी का पार्ट है।

बाबा:- तो? रुद्रमाला का मणका है तो पुरुष है या स्त्री है ओरिजिनल में? क्या है? अरे, क्या है? पुरुष है। लेकिन कभी-2 प्रभाव में भी आ जाता है। जब प्रभाव में आ जाता है विधर्मियों के चाहे भले कोई सन्यासी क्यों न हो तो स्त्री है या पुरुष है? (जिज्ञासु- पुरूष।) पुरुष प्रभावित होता है? स्त्री चोला प्रभावित होता है।

Another Student: So, Bhishma should be the first *sanyasi*, shouldn't he? Bhishma is called the son of the Ganges, isn't he?
Baba: *Acchaa*, is the Ganges first or is Bhishma Pitamah first? Who is worship-worthy and who is a worshipper between both of them? The Ganges is worship-worthy. Then? You are saying that Bhishma Pitamah is more worship-worthy.
The other student: No, Bhishma Pitamah will be uplifted through the Ganges.
Baba: He will be uplifted through the Ganges, won't he? So, who is worship-worthy? Is it the Ganges or Bhishma Pitamah? It is the Ganges. When there is Gangadhar along with the Ganges, then she is worship-worthy. If God isn't present along with the river Ganges, she is not a river. What is she? She is a drain.
The other student: So, Baba has said in a discussion that the World Mother is called Shikhandi[14]. When he comes in front of Bhishma ... [he is] sometimes in a male body, and sometimes in a female body, then Bhishma leaves all his weapons in the battle. He (Shikhandi) safeguards Arjun. So, what will be the part of the World Mother?
Baba: *Arey*, will the World Mother play *part* through a female body or through a male body?
The other student: Baba has said that it will be in both forms. That is Shikhandi's part.
Baba: So? When she is a bead of the *Rudramala*[15], is she a male or a female in reality? What is she? *Arey*, what is she? She is a male. But sometimes she is also influenced. When she is influenced by the *vidharmis*, even if it is a Sanyasi, then is she a female or a male? (The other student: A male.) Is a male influenced? It is the female body that is influenced.

दूसरा जिज्ञासु:- तो उसका पार्ट कैसा होता है बाबा? गंगा का पार्ट तो भीष्म को उद्धार करने के लिए ज्ञान देने के लिए। तो जगतमाता का पार्ट कैसे होगा?

बाबा:- अरे, गंगा का पार्ट जो है वो अष्ट देवों में भी ऊँची स्टेज में रख दिया। क्योंकि अष्ट देवों ने इतनी सेवा नहीं की है जितनी गंगा ने सेवा करके दिखाई है। तो बाप किन बच्चों को आगे रखते हैं? सेवाधारी बच्चों को आगे रखते हैं।

The other student: Baba, so, how is her part? The part of the Ganges is to uplift Bhishma, to give knowledge; so how will the part of the World Mother be?
Baba: *Arey*, the *part* of the Ganges was placed in a higher *stage* than even the eight deities because the eight deities have not served as much as the Ganges has served. So, which children does the Father keep ahead? He keeps the *sevaadhaari* (serviceable) children ahead.

समय:- 01.08.13-01.09.29

जिज्ञासु:- गंगा जो है चैतन्य गंगा या ज्ञान गंगा है?

बाबा:- ज्ञान गंगा और चैतन्य गंगा ? ज्ञान गंगा कहाँ से निकलती है? साकार से निकलती है या निराकार से निकलती है?

जिज्ञासु:- साकार से।

बाबा:- फिर?

जिज्ञासु:- दोनों एक ही हैं?

[14] A character in the epic Mahabharata , an effeminate man
[15] The rosary of Rudra

बाबा:- दोनों एक ही कैसे? ज्ञान गंगा, ज्ञान सुनने-सुनाने की चीज है, समझने-समझाने की चीज है। लेकिन सुनना, सुनाना समझना, समझाना और प्रैक्टिकल जीवन में धारण करना ये कोई प्रैक्टिकल चैतन्य मूर्ति होगी या कोई सिर्फ हवा की बात है? मूर्ति चाहिए ना। तो वो ज्ञान गंगा कौन है, ज्ञान की गंगा, जिसको सन्यासी लोग पूजते हैं? वो गृहस्थी थी ओरिजिनल में या सन्यासी थी?

दूसरा जिज्ञासु:- अष्ट देवों से भी ऊँचा है...

बाबा:-अष्ट देवों से ऊँचा नहीं है। अष्ट देव तो सबके पूर्वज हैं। अष्ट देवों में कोई ऐसा भी है जो सन्यसियों का भी पूर्वज है।

Time: 01.08.13-01.09.29
Student: Is the Ganges a living Ganges or the Ganges of knowledge?
Baba: The Ganges of knowelege and the living Ganges? Where does the Ganges of knowledge emerge from? Does she emerge from the corporeal one or the incorporeal One?
Student: From the corporeal one.
Baba: Then?
Student: Are both one and the same?
Baba: How can both of them be one? The Ganges of knowledge; knowledge is something to listen and narrate; it is something to understand and explain. But will there be some living personality in practice who listens, narrates, understands, explains and assimilates it in the life in practice or is it something imaginary? A personality is required, isn't it? So, who is that Ganges of knowledge, the Ganges of knowledge whom the Sanyasis worship? Was she a householder or a *sanyasi* in reality?
Another Student: She is higher than the eight deities...
Baba: She is not higher than the eight deities. The eight deities are the ancestors of everyone. There is one among the eight deities who is the ancestor of the Sanyasis as well.

समय:- 01.09.38-01.10.29

जिज्ञासु:- गंगा गृहस्थी थी या सन्यासी थी?

बाबा:- गंगाधर कहा जाता है। धरौना करके रखा है तो गृहस्थी हुई या सन्यासी हुई? अरे, कलकत्ते वाले ऐसा प्रश्न पूछते हैं जहाँ बाबा ने बताया है कि कलकत्ते में पहले ऐसे रिवाज था एक तो ओरिजिनल स्त्री होती थी, दूसरी धरौना करके धर लेते थे उसको मकान बनाके देते थे। तो किसको फॉलो किया? गंगाधर को फॉलो किया कलकत्ते वालों ने या किसको किया? गंगाधर को फॉलो किया।

जिज्ञासु:- ये बात हमें पता नहीं था।

बाबा:- पता ही नहीं था? तब पता तो तुम्हें बहुत सी बातें एडवान्स की नहीं थी। और एडवान्स की सारी बातें पता थी क्या?

जिज्ञासु:- ये बात इसलिए पैदा होता है कि सन्यासी चौकड़ी मारके बैठते हैं बाबा ने बोला ना उत्तर भारत के तो इसलिए बाबा।

Time: 01.09.38-01.10.29
Student: Was the Ganges a householder or a *sanyasi*?
Baba: It is said Gangadhar. He has kept her as a concubine[16] (*dharaunaa*). So, is she a householder or a *sanyasi*? *Arey*, people of Calcutta ask such question for which Baba has said that there was a tradition in Calcutta in the past that [men had] one woman as the *original* wife and they kept another woman as a concubine. They built a [separate] house for her. So, whom did they *follow*? Did the people of Calcutta *follow* Ganagadhar (Shankar) or anyone else? They followed Gangadhar.
Student: I did not know this.
Baba: Did you not know it at all? If it is so then you did not know many topics of the *advance* knowledge. Did you know all the other topics of the *advance* [knowledge]?
Student: This topic arises because the Sanyasis sit cross-legged on the banks of the Ganges in north India. Baba has said so, hasn't he? So, that is why …

समय:- 01.10.51-01.11.38

जिज्ञासु:- रविन्द्र भाई ने प्रश्न किया था कि सद्गुरु का पार्ट कब तक शुरु होगा? ब्रह्मा सो विष्णु बनने के बाद सद्गुरु का पार्ट शुरु होगा?

बाबा:- जब देवतायें प्रत्यक्ष होंगे तो असुर भी प्रत्यक्ष हो जायेंगे। अभी कोई अपने को असुर मानेगा? कोई ये कहेगा कि मैं असुर हूँ, राक्षस हूँ मैं मानता हूँ? मानेगा? कोई नहीं मानने के लिए तैयार होता। फिर जब ज्ञान में से मर जावेंगे, बेसिक से भी मर जावेंगे, एडवान्स से भी मर जावेंगे तो कहेंगे, अंदर फील करेंगे कि हमने राक्षसी काम किया है। ईश्वरीय ज्ञान को महत्व नहीं दिया।

Time: 01.10.51-01.11.38
Student: Ravindra bhai asked a question: By when will the *Sadguru's* part begin? Will the *Sadguru*'s part begin after Brahma becomes Vishnu?
Baba: When the deities are revealed, then the demons will also be revealed. Will anyone consider himself to be a demon now? Will anyone say: I am a demon, I accept it? Will anyone accept? Nobody is ready to accept it. Then, when they die from the knowledge, when they die from the *basic* [knowledge] as well as the *advance* [knowledge], then they will say, they will *feel* within: we have performed a demonic deed. We did not give importance to the Divine (*iishwariya*) knowledge. (Concluded.)

[16] Secondry wife

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info